

सीएसए में 21 सितंबर से छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण



संवाददाता/ डीटीएनएन
कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में मशरूम उत्पादन तकनीक पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 से 26 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। पादप रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी डॉ. मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि मशरूम की खेती अथवा व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक किसान, छात्र और शहरी लोग प्रशिक्षण में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण

का उद्देश्य कृषि के साथ जामीन युवाओं को स्वरोजगार और अन्य कृषि आधारित गतिविधियों के लिए तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान एस्टर, बटन और मिल्की मशरूम की खेती से संबंधित तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही मशरूम उत्पादन के विभिन्न चरणों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी कराया जाएगा। प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए 1500 रुपये पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है। प्रतिभागियों को आधार



कार्ड की प्रति और एक पासपोर्ट साइज फोटो जमा करनी होगी। बाहर से आने वाले किसानों के लिए ठहरने की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी, जिसका खर्च प्रशिक्षणार्थी को स्वयं वहन करना होगा। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए 9839818899 और 8218483463 पर संपर्क किया जा सकता है।

किसानों, छात्रों
और शहरी
लोगों के लिए
सुनहरा अवसर,
एस्टर, बटन व
मिल्की मशरूम
की खेती की दी
जाएगी तकनीकी
जानकारी

पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल

मोबाइल नं.:
9956834016

वर्ष 3 अंक 216

कानपुर, रविवार 20 सितंबर 2026

मूल्य ₹ 2/-

सीएसए में छः दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण 21 सितंबर से

कानपुर, 20 सितंबर 2026, रविवार ।
चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में मशरूम उत्पादन तकनीक पर छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 सितंबर से 26 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

पादप रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए सुनहरा अवसर है।

उन्होंने बताया कि हमारा देश कृषि प्रधान है और ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि के साथ-साथ अन्य उद्योगों में भी प्रशिक्षण देना जरूरी है।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रेक्टिकल) भी कराए जाएंगे।



सीएसए विश्वविद्यालय मुख्य भवन



सीएसए विश्वविद्यालय मुख्य द्वार



प्रशिक्षण की मुख्य बातें

- अवधि : 21 से 26 सितंबर 2026 (छः दिन)
- विषय : मशरूम उत्पादन तकनीक
- लाभार्थी : किसान, छात्र एवं शहरी लोग
- प्रशिक्षक : विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण
- फसल : एस्टर, बटन व मिल्की मशरूम
- प्रायोगिक प्रशिक्षण : विभिन्न प्रकार के प्रयोग

नोडल अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने आगे बताया कि प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए 1500/- रुपया पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पासपोर्ट साइज फोटो देनी होगी।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं खर्चा वहन करना होगा।

प्रमाण पत्र होंगे वितरित

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।



अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें

9839818899 एवं 8218483463

कृषि से समृद्धि... मशरूम से रोजगार...



सीएसए विश्वविद्यालय
कानपुर की पहल